खुदाई करने से पहले बीएसईएस को बताएं

बीआरपीएल– 18003009707 और बीवाईपीएल – 399997376

साल भर में डंपरों ने काट दीं बिजली की 800 मुख्य अंडरग्राउंड केबलें

नई दिल्लीः 13 अप्रैल, 2018। पिछले एक साल में डंपरों ने जमीन की खुदाई करते वक्त बीएसईएस की करीब 800 मुख्य अंडरग्राउंड केबलें काट दीं। इस कारण उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति बाधित हुई और करंट लीकेज की घटनाएं भी सामने आई हैं। हाई वोल्टेज वाली इन भारी–भरकम केबलों के कटने से बीएसईएस को करोड़ों रूपये का वित्तीय नुकसान भी हुआ है। विभिन्न एजेंसियों, टेलीकॉम ऑपरेटरों तथा उनके कॉन्ट्रैक्टरों द्वारा सड़कों की मरम्मत और केबल व पाइपलाइन, आदि बिछाने से पहले बीएसईएस को सूचना न देने के कारण ये मुख्य अंडरग्राउंड केबलें क्षतिग्रस्त हुईं। मुख्य अंडरग्राउंड केबलों के अलावा, सामान्य केबलें कटने की भी कई घटनाएं सामने आई हैं।

बीएसईएस ने विभिन्न एजेसियों और उनके कॉन्ट्रैक्टरों से अनुरोध किया है कि किसी भी कार्य के लिए जमीन व सड़क की खुदाई करने से पहले बीएसईएस को सूचित करें ताकि आवश्यक कदम उठाए जा सकें और केबलें न कटें। आम लोगों और आरडब्ल्यूए से भी अनुरोध किया गया है कि जैसे ही उन्हें कहीं पर खुदाई होती दिखे, वे तुरंत बीएसईएस को इस बारे में सूचित करें, ताकि तत्काल जरूरी कदम उठाए जा सकें और उनकी बिजली गुल न हो।

सिविक एजेंसियों, आरडब्लूए और आम लोगों की सहूलियत के लिए बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने *डायल एन डिग* नामक एक पहल शुरू की है, जिसके तहत दो पूर्ण समर्पित हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। सिविक एजेंसियां, उनके कॉन्ट्रैक्टर, आरडब्ल्यूए आदि किसी भी तरह की खुदाई करने से पहले डिस्कॉम्स को सूचित कर सकते हैं। बीआरपीएल क्षेत्र के लिए नंबर है– 18003009707 और बीवाईपीएल इलाके लिए नंबर – 399997376 है। ये नंबर चौबीसों घंटे और सातों दिन काम करेंगे। इन नंबरों पर खुदाई की सूचना पाते ही, बीएसईएस की टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर उचित कदम उठाएगी।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, *डायल एन डिग* पहल के तहत सिविक एजेंसियों को जागरूक किया जाएगा, ताकि वे अपने अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्टरों को शिक्षित कर सकें कि किसी भी तरह की खुदाई करने से पहले बीएसईएस को सूचित करना कितना जरूरी है। बीएसईएस को उम्मीद है कि इस काम के लिए पूर्ण समर्पित हेल्पलाइन नंबर लॉन्च करने और जागरूकता अभियान चलाने से मुख्य अंडरग्राउंड केबलें कटने की घटनाओं में कमी आएगी। इससे बिजली गुल के मामलों में गिरावट आएगी। साथ ही, करंट लीकेज की घटनाओं पर भी अंकुश लग सकेगी।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।